न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी का नाम : **पंकज गढ़वाल (आर0ए0एस0)**

प्रकरण संख्या – 99/2024

अनवान : –

1. नोरंग लाल पुत्र मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।

– वादी

बनाम्

1. सायरी पत्नी मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
2. दुलीचन्द पुत्र मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
3. बाधोदवी पुत्री मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
4. कृष्णा पुत्री मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
5. सुचित्रा पुत्री मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
6. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार नोहर।

– प्रतिवादीगण

दावा बाबत अन्तर्गत धारा 88–89 ,राजस्थान काश्त0 अधि0 1955

उपस्थिति :– श्री नरेन्द्र किशोर जोशी अधिवक्ता **वादी**
पेरोकार राज

निर्णय दिनांकः 15/03/2024

संक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत इस आशय का पेश किया है कि रोही मौजा जबरासर तहसील नोहर के खाता संख्या 77/80 की कुल 23.3580 भूमि में से 1/2 हिस्सा भूमि मुखराम पुत्र फुसाराम के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड हैं।

वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में मुखराम पुत्र फुसाराम के नाम दर्ज है जो कि वादी का पिता है मुखराम पुत्र फुसाराम का देहान्त हो चुका है तथा मुखराम पुत्र फुसाराम का एक पुत्र देवसिंह लावल्द फौत हो चुका है। मुखराम पुत्र फुसाराम के जायज वारिसान सजरा खानदान के अनुसार वादी एवं प्रतिवादी स0 1 ता 5 है जो मुखराम पुत्र फुसाराम के नाम दर्ज भूमि को अपने हिस्सा के अनुसार पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 3 ता 5 जो की वादी की बहिने है उक्त वाद भूमि में कोई हक हिस्सा नही लेना चाहती है अपना जो भी हक हिस्सा है वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 के पक्ष में परित्याग कर चुकी है। बाद हक त्याग के वाद भूमि पर वादी काबिज है। वादी जिसकी न्यायालय से घोषणा करवा पाने का अधिकारी है। यही बिनाय दावा है।

वादी ने प्रतिवादीगण को कई दफा कहा कि वादी के हक व हिस्सा की भूमि को उनके नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिन तक आजकल आजकल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिए यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावें की वादी के हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बंटवारे के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावें।

Signature Not Verified
Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.04.02 18:36:46 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के बाद प्रतिवादी सं0 1 ता 5 की तरफ से श्री सुबोध शर्मा अधिवक्ता ने वकालतनामा पेश कर इकबाल जवाब पेश किया जाकर निवेदन किया की वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 5 को कोई एतराज नही है। प्रतिवादी संख्या 6 पेरोकार राज ने जवाब पेश किया जो कि शामिल मिसल किया। वादी ने वाद के समर्थन में बतौर दस्तावेजी साक्ष्य जमाबंदी रोही मौजा जबरासर सम्वत 2075–78 खाता संख्या 77/80, चित्रप्रति वारिस प्रमाण पत्र बहक मुखराम, मृत्यु प्रमाण पत्र देवसिंह, मृत्यु प्रमाण पत्र मुखराम, शपथ पत्र बाबत लावल्द फौत बहक देवसिंह आदि दस्तावेज पेश किये जो की शामिल मिसल किये गये।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का इकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी के द्वारा शपथ पत्र पेश किया गया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पश्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

बहस वकील उभयपक्षकारान सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने कथन किया कि उक्त वाद भूमि वादी की दादालाई कृषि भूमि है जो की वर्तमान में वादी के पिता मुखराम के नाम दर्ज है है मुखराम पुत्र फुसाराम का देहान्त हो चुका है तथा मुखराम पुत्र फुसाराम का एक पुत्र देवसिंह लावल्द फौत हो चुका है। मुखराम पुत्र फुसाराम के जायज वारिसान सजरा खानदान के अनुसार वादी एवं प्रतिवादी स0 1 ता 5 है जो मुखराम पुत्र फुसाराम के नाम दर्ज भूमि को अपने हिस्सा के अनुसार पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 3 ता 5 जो की वादी की बहिने है उक्त वाद भूमि में कोई हक हिस्सा नही लेना चाहती है अपना जो भी हक हिस्सा है वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 के पक्ष में परित्याग कर चुकी है। बाद हक त्याग के वाद भूमि पर वादी काबिज है। प्रतिवादीगण द्वारा वादी के वाद को स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के संबंध में कोई एतराज नही है। अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावें।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबूतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावें।

हमारे द्वारा अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। वाद में प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा जबरासर तहसील नोहर के खाता संख्या 77/80 की कुल 23.3580 भूमि में से 1/2 हिस्सा भूमि मुखराम पुत्र फुसाराम के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड हैं, वादी का कथन है कि वादी के पिता मुखराम पुत्र फुसाराम का देहान्त हो चुका है तथा मुखराम पुत्र फुसाराम का एक पुत्र देवसिंह लावल्द फौत हो चुका है। मुखराम पुत्र फुसाराम के जायज वारिसान सजरा खानदान के अनुसार वादी एवं प्रतिवादी स0 1 ता 5 है जो मुखराम पुत्र फुसाराम के नाम दर्ज भूमि को अपने हिस्सा के अनुसार पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 3 ता 5 जो की वादी की बहिने है उक्त वाद भूमि में

Signature Not Verified
Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.04.02 18:36:46 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

कोई हक हिस्सा नही लेना चाहती है अपना जो भी हक हिस्सा है वादी व प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 के पक्ष में परित्याग कर चुकी है। बाद हक त्याग के वाद भूमि पर वादी काबिज है, वादी के उक्त कथनों को प्रतिवादीगण द्वारा स्वीकार किया जाकर एवं वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल पेश किया गया है कि वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादी संख्या 1 ता 5 को कोई एतराज नही है। अतः वाद वादी साक्ष्य सबूतों एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण मुताबिक अनुतोष स्वीकार योग्य है।

अतः वाद वादी साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा जबरासर तहसील नोहर के खाता संख्या 77/80 की कुल 23.3580 भूमि में से 1/2 हिस्सा भूमि मुखराम पुत्र फुसाराम के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड हैं, में मृतक मुखराम पुत्र फुसाराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 को बहिब के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/- रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावें। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरूस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे। इसी आशय की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हों।

निर्णय आज दिनांक 15/03/24 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(पंकज गढ़वाल R.A.S)
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
एवं सहायक कलक्टर
नोहर

Signature Not Verified

Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.04.02 18:36:46 IST
Reason: SelfAttested

पर्चा डिक्री

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी का नाम : **पंकज गढ़वाल (आर०ए०एस०)**

प्रकरण संख्या – 99/2024

अनवान : –

1. नोरंग लाल पुत्र मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।

– वादी

बनाम्

1. सायरी पत्नी मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
2. दुलीचन्द पुत्र मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
3. बाधोदवी पुत्री मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
4. कृष्णा पुत्री मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
5. सुचित्रा पुत्री मुखराम जाति जाट निवासी जबरासर तहसील नोहर।
6. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार नोहर।

– प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या 99 सन 2024 निर्णय दिनांक -15/03/2024

आज यह वाद मुझ पंकज गढ़वाल उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर नोहर के समक्ष वकील वादी श्री नरेन्द्र किशोर जोशी एवं राज पेरोकार की उपस्थिति में निर्णयार्थ/अंतिम निपटारे हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा जबरासर तहसील नोहर के खाता संख्या 77/80 की कुल 23.3580 भूमि में से 1/2 हिस्सा भूमि मुखराम पुत्र फुसा के नाम दर्ज राजस्व रिकार्ड हैं, में मृतक मुखराम पुत्र फुसा का नाम कलमजन किया जाकर वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 2 को बहिब के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावें। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरूस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 15/03/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

(पंकज गढ़वाल R.A.S)
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
एवं सहायक कलक्टर
नोहर

Signature Not Verified

Digitally signed by Pankaj Garhwal
Date: 2024.04.02 18:36:46 IST
Reason: SelfAttested